भजन

तर्ज–दिल जो न कह सका

रूह जो ना कह सकी,वहीं राजे दिल
कहने पे आज आई

1– आई है सुध ये इलम बेशकी से,
कहना पड़ा है कुछ बेबसी से–2
दिल में तो बैठे हो,पिया तुम हमारे
फिर क्यूं ये बात आई

2– इश्के जुदाई सह ना सकूं मैं
पर ये यहां पे ले भी ना सकूं मैं–2
देखूं जो तुमको तो,अर्श से पिया मैं
तो जाने की बात आई

3– इश्क भी तुम हो,इलम भी तुम्हीं हो
हुकम भी तुम्हीं हो, हाकिम भी तुम हो
सब कुछ हो तुम,तुम्ही हो–न और कुछ भी है
तुम्हीं पे ये बात आई